Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____

   (Name) _____

2. (Signature) _____

   (Name) _____

Roll No. | | | | | | | |
(In figures as per admission card)

Roll No. _____
(In words)

Test Booklet No.

J—6709

PAPER—III
ARCHAEOLOGY

Time : 2½ hours] **[Maximum Marks : 200**

Number of Pages in this Booklet : **40** Number of Questions in this Booklet : **26**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answers to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :

   (i) To have access to the Test Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.

   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the Test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc. is prohibited.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुये रिक्त स्थान पर ही लिखिये।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :

   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।

   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले ले। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
8. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**

ARCHAEOLOGY

पुरातत्व विज्ञान

PAPER – III

प्रश्न-पत्र – III

NOTE: This paper is of two hundred (200) marks containing four (4) sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट : यह प्रश्नपत्र दो सौ (200) अंकों का है एवं इसमें चार (4) खंड है। अभ्यर्थियों को इन में समाहित प्रश्नों का उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है।

SECTION - I

खण्ड – I

Note : This section contains five (5) questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about thirty (30) words and each carries five (5) marks.

(5x5=25 marks)

नोट : इस खंड में निम्नलिखित अनुच्छेद पर आधारित पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है।

(5x5=25 अंक)

The corridor passes southwards into Karnataka. Here the earliest settlements seem to have been associated with a group of pastoralists who appear in the area early in the third millennium B.C., although no settlements as such are known before the end of the millennium.

What is striking about the culture of the earliest settlements of the southern Deccan is their apparently independent ancestry. There is an extraordinary continuity linking even the earliest settlements with the whole subsequent pattern of life. It is still not possible to decide whether this culture arose in response to some external stimulus, and if so from what direction it came. The indications are that there was a strongly indigenous flavour from the start. It has been suggested that the Indian humped cattle were domesticated locally in the peninsula, and certainly they had already achieved a dominant economic position in the earliest settlements of the Deccan. A range of food grains was cultivated, some of them almost certainly native to the region. It is interesting to note that local variations in grain utilization at the present day are already reflected during the Neolithic-Chalcolithic period. The house patterns of the earliest settlements, and the general layout of villages can also be found as living elements in the countryside today. The conservatism of material culture continues to exert itself over long periods : thus the appearance of iron, which in the north is inferred to have coincided with the introduction of western tool types, such as the shaft-hole axe, in the peninsula witnessed the adaptation of a flat rectangular axe of a type already current in copper and bronze in the Harappan and post-Harappan periods. This type survived in the south until the opening of the Christian era.

(सांस्कृति के) गलियारे का प्रसार दक्षिण की ओर कर्नाटक में होता है। यहां प्राचीनतम सन्निवेश ऐसे पशुपालक समूह से सम्बन्धित प्रतीत होते हैं, जो इस क्षेत्र में प्रारम्भ में तृतीय सहस्राब्दी ई.पू. में, अस्तित्व में आये, यद्यपि इस सहस्राब्दी के अंत के पहले ऐसे सन्निवेश ज्ञात नहीं हैं।

दक्षिणी दक्कन के प्राचीनतम सन्निवेशों की संस्कृति की उल्लेखनीय विशेषता है कि यह इसके स्वतंत्र उद्‌भव का संकेत करती है। प्रारम्भिक सन्निवेशों का बाद की जीवन पद्धति से असाधारण सम्बन्ध और निरन्तरता है। यह अभी भी निश्चय के साथ कहना कठिन है कि यह संस्कृति किस बाह्य प्रेरणा से उत्पन्न हुई, अगर ऐसा था भी तो यह प्रभाव किस दिशा से आया था। यह कहना कठिन है। इस बात के स्पष्ट संकेत है कि इस संस्कृति में प्रारम्भ से ही प्रबल स्थानीयता का पुट था। यह सुझाया गया है कि कूबड़ वाले बृषभ का पालन स्थानीय रूप से प्रायद्वीपीय भारत में ही प्रारम्भ हुआ था, यथा यह प्रथा निश्चित रूप से दक्कन के प्रारम्भिक सन्निवेशों में मुख्य आर्थिक स्थान प्राप्त कर लिये थे। कई प्रकार के कृषि उत्पादित अनाज थे, जिनमें से कुछ निश्चित ही इस क्षेत्र के ही मूल अनाज थे। यह उल्लेखनीय है कि वर्तमान में अनाजों के प्रयोग में स्थानीय भेद का स्वरूप, नव पाषाण-ताम्रपाषाण काल में भी प्रतिबिम्बित होता है। प्रारम्भिक सन्निवेशों के घरों का प्रारूप तथा गाँवों का सामान्य विन्यास आज भी ग्रामीण परिवेश में प्रचलित हैं। भौतिक संस्कृति की रुढ़वादिता काफी लम्बें समय से प्रचलन में रही है।

इस प्रकार लोहे का आगमन जो उत्तर में पश्चिमी उपकरण प्रकारों, जैसे दण्ड विवर कुल्हाड़ी के आगमन के समकालीन माना जाता है, प्रायद्वीपीय भारत में हड़प्पीय हड़प्पोत्तर काल में प्रचलित चपटी आयताकार ताम्र और कांस्य की कुल्हाड़ियों की तरह की कुल्हाड़ियों का प्रचलन था। दक्षिण में ईसवी सन् के प्रारम्भ तक यह उपकरण प्रकार प्रचलन में रहा।

1. Discuss evidence for mesolithic in south India

दक्षिण भारत में मध्य पाषाणिक प्रमाणों का विवेचन कीजिए।

2. Which pastoral community follows the legacy of Neolithic techno-economy in Deccan ?
दक्कन के कौन से पशुपालक समुदाय नव पाषाणिक तकनीक-अर्थ व्यवस्था के अवदान का अनुकरण करते हैं ?

3. What was the date bracket of Neolithic stage in Karnataka ?
कर्नाटक के नव पाषाणिक चरण का काल-क्रम क्या है ?

4. Describe main archaeological remains for pastoralism in Deccan.

दक्कन में पशुपालन के मुख्य पुरातात्विक अवशेषों का विवरण दीजिए।

5. Discuss archaeological evidence for the Cultural contacts between Deccan Neolithic and Harappans.

दक्कन के नव-पाषाणिक तथा हड़प्पीय लोगों के मध्य सांस्कृतिक संपर्क के पुरात्तात्विक प्रमाणों का विवेचन कीजिए।

SECTION - II

खण्ड – II

Note : This section contains **fifteen (15)** questions each to be answered in about **thirty (30)** words. Each question carries **five (5)** marks.

(5x15=75 marks)

नोट : इस खंड में पाँच-पाँच (5-5) अंकों के पंद्रह (15) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है।

(5x15=75 अंक)

6. What is a Datum line ?

डेटम लाइन (आधार रेखा) क्या है ?

7. What was the Climatic condition of Boreal period ?
बोरियाल काल की जलवायुगत स्थिति क्या थी ?

8. Discuss types of Morain.
मोरेन के प्रकारों का विवेचन कीजिए।

9. Describe *nomadicus* group of fauna found from Narmada valley.
नर्मदा घाटी से प्राप्त नमैडिक्स वर्ग के पशुओं का वर्णन कीजिए।

10. What is cranial capacity ? How is it measured ?
कपालीय क्षमता क्या है ? इसको कैसे मापा जाता है ?

11. What are the main features of cro-magnan man ?
क्रोमैग्नन मानव की मुख्य विशेषतायें क्या हैं ?

12. Describe micro-burin.
माइक्रो ब्यूरिन का वर्णन कीजिए।

13. Describe a Mesolithic burial from any of the parse-shoe lake sites of India.

भारत की गोखुर झील के किसी एक मध्यपाषाणिक शवाधान का वर्णन कीजिए।

14. What do you know about Vallonet cave ?

वालोने की गुफा के बारे में आप क्या जानते हैं ?

15. Describe Sangoan Culture.

सानगोआन संस्कृति का वर्णन कीजिए।

16. Discuss main features of the Chaitya hall at Bhaja.

भाजा के चैत्यगृह की मुख्य विशेषताओं का विवेचन कीजिए।

17. What do you know about Didarganj Yakshi ?
दीदारगंज-यक्षी के बारे में आप क्या जानते हैं ?

18. Describe obverse and reverse of Kanishka coin depicting Buddha.
बुद्ध अंकित कनिष्क के सिक्कों के मुख्य और पृष्ठ भाग का वर्णन कीजिए।

19. What do you know about Rummindei inscription
रुम्मिनदेई अभिलेख के बारे में आप क्या जानते हैं?

20. What is the significance of primary source in archaeological research ?
पुरातत्व के शोध में प्राथमिक स्त्रोत का क्या महत्व है।

SECTION - III
खण्ड – III

Note : This section contains five (5) questions from each of the electives / specialisations. The candidate has to choose only one elective / specialisation and answer all the five questions from it. Each question carries twelve (12) marks and is to be answered in about two hundred (200) words.

(12x5=60 marks)

नोट : इस खंड में प्रत्येक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता से पाँच (5) प्रश्न हैं। अभ्यर्थी को केवल एक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता को चुनकर उसी में से पाँचो प्रश्नों का उत्तर देना है। प्रत्येक प्रश्न बारह (12) अंकों का है व उसका उत्तर लगभग दो सौ (200) शब्दों में अपेक्षित है।

(12x5=60 अंक)

Elective - I

विकल्प – I

21. Discuss the pleistocene sequence of sohan valley.

सोहन घाटी के अतिनूतन कालीन अनुक्रम का विवेचन कीजिए।

22. Discuss Nevasian Culture.

नेवासियन संस्कृति का विवेचन कीजिए।

23. What are the characteristic features of Upper Palaeolithic culture of India ?

भारत की उच्च पुरापाषाण संस्कृति की प्रमुख विशेषतायें क्या हैं ?

24. Give an account of the mesolithic culture of Vindhya-Ganga region.

विन्ध्य-गंगा क्षेत्र की मध्य पाषाणिक संस्कृति का विवरण दीजिए।

25. Discuss the salient features of Neolithic culture of North Eastern India.

पूर्वोत्तर भारत की नवपाषाणिक संस्कृति की मुख्य विशेषताओं का विवेचन कीजिए।

OR / अथवा

Elective - II

विकल्प – II

21. Assess the contribution of Mehargarh in the development of Pre-Harappan cultures.
प्राक् हड़प्पन संस्कृतियों के विकास में मेहरगढ़ के योगदान का निर्धारण कीजिए।

22. Outline the distinctive features of Harappan religion.
हड़प्पन धर्म की विशिष्टताओं का रेखांकन कीजिए।

23. Evaluate the causes of de-urbanization of Harappan Culture.
हड़प्पन संस्कृति के विनगरीकरण के कारणों का मूल्यांकन कीजिए।

24. Discuss the salient features of Ahar Chalcolithic culture.
आहाड़ ताम्र पाषाणिक संस्कृति की मुख्य विशेषताओं का विवेचन कीजिए।

25. What are copper-hoards ? Do they have any relationship with the Ochre coloured pottery ?
ताम्र-निधियां क्या हैं ? क्या वे गैरिक मृद् भाण्ड से कोई सम्बन्ध रखती हैं ?

OR / अथवा

Elective - III

विकल्प – III

21. Examine the archaeological evidence for external trade as revealed from Taxila excavations.
तक्षशिला उत्खनन से प्राप्त बाह्य व्यापार के पुरातात्विक प्रमाणों का परीक्षण कीजिए।

22. Bring out the salient features of the Satanikota excavation.
सतनीकोटा उत्खनन की मुख्य विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

23. Give an account of the Sonkh excavation.
सोंख के उत्खनन का विवरण दीजिए।

24. Discuss the settlement pattern of Vaishali with special reference to its fortification.
दुर्गीकरण के विशेष संदर्भ में वैशाली का सन्निवेश विधा का विवेचन कीजिए।

25. Discuss the main characteristics of brick structures excavated at Bhitari.
भितरी में उत्खनित ईंट-स्थापत्य की मुख्य विशिष्टताओं का विवेचन कीजिए।

OR / अथवा

Elective - IV

विकल्प – IV

21. Write a detailed note on the stupa architecture of Krishna Valley.
कृष्णा घाटी के स्तूप स्थापत्य पर एक विस्तृत टिप्पणी लिखिए।

22. Evaluate the development of Vihar architecture in Western India.
पश्चिम भारत के विहार स्थापत्य के विकास का मूल्यांकन कीजिए।

23. Write a note on rock cut architecture of Barabar hills.
बराबर पहाड़ियों के शैलकृत स्थापत्य पर एक टिप्पणी लिखिए।

24. Describe the main features of Parvati temple at Nachana.
नचना के पार्वती मन्दिर की मुख्य विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

25. Write a Critical note on Yaksha/Yakshini images of early historic times.
प्रारम्भिक ऐतिहासिक काल के यक्ष/यक्षिणी प्रतिमाओं पर एक आलोचनात्मक टिप्पणी लिखिए।

OR / अथवा

Elective - V

विकल्प – V

21. Write a note on the antiquity of writing.

लेखन कला की प्राचीनता पर एक टिप्पणी लिखिए।

22. State the characteristics of the Kharoshthi script.

खरोष्ठी लिपिकी विशिष्टतायें बताइए।

23. Bring out the historical significance of Hathigumpha inscription of Kharvela.

खारवेल के हाथीगुम्फा अभिलेख के ऐतिहासिक महत्व का उल्लेख कीजिए।

24. What light inscriptions and coins throw on the Personality of Samudragupta.

अभिलेख और मुद्रायें समुद्रगुप्त के व्यक्तित्व पर क्या प्रकाश डालते हैं?

25. Discuss with examples technique base classification of Early Indian coins.

प्रारम्भिक भारतीय सिक्कों का, तकनीक आधारित वर्गीकरण के उदाहरणों के आधार पर, विवेचन कीजिए।

SECTION - IV
खण्ड–IV

Note : This section consists of one essay type question of forty (40) marks to be answered in about one thousand (1000) words on any one of the following topics.

(40x1=40 marks)

नोट : इस खंड में एक चालीस (40) अंकों का निबन्धात्मक प्रश्न है जिसका उत्तर निम्नलिखित विषयों में से केवल एक पर, लगभग एक हजार (1000) शब्दों में अपेक्षित है।

(40x1=40 अंक)

26. (a) Examine critically the diverse Neolithic subsistence patterns in the Indian Subcontinent

भारतीय उपमहाद्वीप में नवपाषाणीय जीवन-निर्वाह के विभिन्न प्रतिमानों की आलोचनात्मक व्याख्या कीजिए।

OR / अथवा

(b) Throw light on various facets of the Harappan trade with special reference to external trade.

विदेशी व्यापार के विशेष संदर्भ में हड़प्पायी व्यापार के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डालिए।

OR / अथवा

(c) Evaluate the role of epigraphical sources for the reconstruction of cultural history from Post-Mauryan to Gupta periods.

मौर्योत्तर काल से गुप्त काल तक भारतीय सांस्कृतिक इतिहास के पुन:र्गठन के लिए अभिलेखीय साक्ष्यों का मूल्याँकन कीजिए।

OR / अथवा

(d) Explain how useful are the punch-marked coins to ascertain the status of state authority and its extent.

राज सत्ता की हैसियत व इसके विस्तार को ज्ञात करने में आहत मुद्राओं की उपयोगिता को स्पष्ट कीजिए।

OR / अथवा

(e) Discuss the chronological development of main characteristics Chandela temples of Khajuraho.

खजुराहो चन्देल मन्दिर की प्रमुख विशेषताओं के कालिक विकास का वर्णन कीजिए।

FOR OFFICE USE ONLY							
Marks Obtained							
Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words) .....

(in figures) .....

Signature & Name of the Coordinator .....

(Evaluation) Date .....